आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 19 लखनऊ, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 सा 27 अगस्त 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

सर्वोदय विद्यालयों की व्यवस्था में होगा व्यापक बदलाव, रिक्त पदों पर जल्द होगी शिक्षकों की भर्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और उन्नाव जिले में हाल ही में शिक्षा व्यवस्था तथा अन्य समस्याओं को लेकर छात्र–छात्राओं के प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत बताई है। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिये कि सर्वोदय विद्यालयों से जुड़ी सुस्पष्ट नियमावली तैयार करने, शिक्षकों के रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा एक सोसाइटी के गठन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि इन आवासीय विद्यालयों का प्रबंधन और संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सके। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण की उपस्थिति में विभाग की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में शिक्षकों और अन्य आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं तथा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ और उन्नाव में सर्वोदय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने हाल ही में अपने–अपने स्कूलों में शिक्षकों की कमी और विद्यालय से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रवृत्ति वितरण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय से मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि 'पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति' से वंचित विद्यार्थियों के लिए आवेदन पोर्टल तत्काल खोला जाए और हर हाल में दो अक्टूबर तक छात्रवृत्ति की धनराशि अंतरित कर दी जाए।

लखनऊ में दो हत्याओं के बाद आत्महत्या, SBI कर्मी ने पत्नी और बहन को मारी गोली

लखनऊ। राजधानी में गुरुवार को बेहद सनसनीखेज वारदात सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एसबीआई कर्मी मानस ने पहले हुसड़िया स्थित घर में अपनी अविवाहित बहन तूलिका की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद गोमतीनगर स्थित आईसीआई सीआई बैंक के बाहर पहुंचकर अपनी पत्नी और बैंककर्मी दिव्या मिश्रा को गोली मार दी। दिव्या की भी मौके पर मौत हो गई। पत्नी और बहन की हत्या के बाद मानस ने खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। इस तरह घटनाक्रम में दो हत्याओं और एक आत्महत्या से राजधानी लखनऊ दहल उठी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

सम्पादकीय

सिर्फ कम्पोजिट ग्रांट और एक शिक्षक के भरोसे कैसे सुधरेगी शिक्षा व्यवस्था?

सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की चर्चा अक्सर शिक्षकों की जिम्मेदारी, हेडमास्टर की कार्यप्रणाली और स्कूलों को मिलने वाली कम्पोजिट ग्रांट तक सीमित कर दी जाती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल कुछ हजार रुपये की ग्रांट और एक शिक्षक के भरोसे किसी विद्यालय की पूरी तस्वीर बदली जा सकती है? ''जवाब साफ नहीं है।'' अच्छी शिक्षा केवल किताबों और योजनाओं से नहीं, बल्कि ''बेहतर कक्षाओं, पर्याप्त शिक्षकों, शिक्षण संसाधनों और अनुकूल शैक्षिक वातावरण'' से मिलती है। जिस विद्यालय में कक्षा आठ तक १०० या १५० बच्चे हों और उन्हें पढ़ाने के लिए केवल एक शिक्षक उपलब्ध हो, वहां उस शिक्षक से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं है। एक शिक्षक बच्चों को पढ़ाए, उनकी क पियां जांचे, अभिलेख तैयार करे, विभागीय सूचनाएं भेजे, ऑनलाइन पोर्टल अपडेट करे, बैठकों में शामिल हो और लगातार आने वाले आदेशों व व्हाट्सऐप संदेशों का जवाब भी देंयह सब एक साथ कैसे संभव है? आज सरकारी विद्यालयों का शिक्षक केवल शिक्षक नहीं रह गया है। उसके कंधों पर शिक्षण के साथ–साथ ''दर्जनों प्रशासनिक और गैर–शैक्षणिक जिम्मेदारियां'' भी हैं। कई बार हर कुछ मिनट में किसी न किसी ग्रुप पर नई सूचना, रिपोर्ट या निर्देश आ जाता है। ऐसे में शिक्षक का बहुमूल्य समय बच्चों के साथ कक्षा में बितने के बजाय कागजी और डिजिटल औपचारिकताओं में चला जाता है।सरकारें यदि सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों के बराबर गुणवत्ता देना चाहती हैं तो सबसे पहले बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन की कमी दूर करनी होगी। ''अच्छी बिल्डिंग बनाना शिक्षक का काम नहीं है, पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराना भी शिक्षक की जिम्मेदारी नहीं है।'' यह सरकार और शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी है। शिक्षक का मूल दायित्व बच्चों को पढ़ाना है और उसे उसी कार्य के लिए पर्याप्त समय और संसाधन मिलने चाहिए। किसी विद्यालय में रंगीन दीवारें, स्मार्ट क्लास, कम्पोजिट ग्रांट और आकर्षक योजनाएं तभी सार्थक होंगी, जब वहां बच्चों को पढ़ाने के लिए ''हर कक्षा में पर्याप्त और योग्य शिक्षक'' मौजूद हों। एकल शिक्षक विद्यालयों की समस्या पर गंभीरता से विचार करना होगा। यदि किसी अधिकारी को यह लगता है कि एक शिक्षक आसानी से १००–१५० बच्चों को संभाल सकता है, तो उसे कुछ समय ऐसे ही विद्यालय में बैठकर वास्तविक परिस्थितियों को समझना चाहिए। तब शायद यह महसूस होगा कि जमीन पर शिक्षा देना फाइलों में योजना बनाने से कहीं अधिक कठिन काम है। विद्यालय सुधार का सारा ठीकरा प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के सिर फोड़ देना आसान है, लेकिन इससे समस्या का समाधान नहीं होगा। ''जवाबदेही जरूरी है, लेकिन जवाबदेही के साथ संसाधन और व्यवस्था देना उससे भी ज्यादा जरूरी है।'' शिक्षक को दोष देने से पहले यह पूछा जाना चाहिए कि उसे कितने बच्चे दिए गए, कितने शिक्षक उपलब्ध हैं, कितनी कक्षाएं हैं, पढ़ाने के लिए क्या संसाधन हैं और गैर–शैक्षणिक कार्यों का कितना बोझ है। शिक्षा किसी भवन की चारदीवारी में चलने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माण है। यदि हम चाहते हैं कि सरकारी विद्यालयों के बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में आगे बढ़ें और आत्मविश्वास के साथ भविष्य का निर्माण करें, तो ''एक शिक्षक सैकड़ों बच्चे'' वाली व्यवस्था को बदलना ही होगा। सरकार को चाहिए कि विद्यालयों में शिक्षक–छात्र अनुपात को वास्तविक जरूरत के अनुसार मजबूत करे, विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करे, एकल शिक्षक विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर शिक्षक उपलब्ध कराए, गैर–शैक्षणिक कार्यों को कम करे और विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाए। क्योंकि ''शिक्षक को दोष देकर शिक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी। शिक्षक को सक्षम बनाकर, विद्यालय को संसाधन देकर और हर बच्चे को पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराकर ही बदलाव आएगा।'' आखिरकार, सवाल किसी एक शिक्षक, प्रधानाध्यापक या अधिकारी का नहीं है। सवाल उस बच्चे के भविष्य का है, जो उम्मीद लेकर सरकारी विद्यालय की कक्षा में बैठता है। ''उस बच्चे को अच्छी शिक्षा देना सरकार, व्यवस्था और पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।''

गोमतीनगर में महिला बैंक अधिकारी की हत्या के बाद पति और बहन की भी मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में गुरुवार को हुए सनसनीखेज हत्याकांड में आरोपी मानस वाजपेयी के **WhatsApp** स्टेटस से पुलिस को अहम सुराग मिला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मानस ने पत्नी की हत्या के बाद **WhatsApp** स्टेटस पर लिखा, **"Today I killed my wife as cheated on me---- now i have to kill myself and my sister... her sister pragya and bharat nows everything''**। इसके बाद मानस अपने घर पहुंचा, और बहन को भी गोली मार और फिर खुद को भी सूट कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मानस ने पहले गोमतीनगर स्थित **ICICI** बैंक के बाहर अपनी पत्नी और रिलेशनशिप मैनेजर दिव्या मिश्रा की गोली मारकर हत्या की। इसके बाद वह अपने घर पहुंचा, जहां अपनी बहन सीमा को भी गोली मार दी। दोनों की हत्या के बाद मानस ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। **DCP** ईस्ट डॉ. दीक्षा शर्मा के मुताबिक, पुलिस को पहले गोमतीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला को गोली मारे जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि महिला को उसके पति ने गोली मारी थी। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस को एक व्यक्ति द्वारा अपनी बहन की हत्या करने और खुद को गोली मार लेने की सूचना मिली। जांच में दोनों घटनाओं का कनेक्शन सामने आया और पुलिस ने पुष्टि की कि दोनों वारदातों को अंजाम देने वाला व्यक्ति मानस वाजपेयी ही था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल फोन पर लगा **WhatsApp** स्टेटस घटना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दे रहा था। इसी के आधार पर पुलिस ने घटनाक्रम की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। दिव्या मिश्रा गोमतीनगर स्थित **ICICI** बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। गुरुवार को वह रोज की तरह बैंक पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि इसी दौरान उनके पति मानस ने उन्हें फोन कर बैंक के बाहर मिलने के

लिए बुलाया। दिव्या जैसे ही बाहर आईं, आरोपी ने उन पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल दिव्या को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, आत्महत्या से पहले मानस ने वॉट्सऐप पर स्टेटस लगाया था। इसमें उसने लिखा कि उसने पत्नी की हत्या कर दी है, क्योंकि उसने उसे धोखा दिया था। उसने अपनी बहन और खुद को भी मारने की बात लिखी। स्टेटस में दिव्या की बहन प्रज्ञा और उनके पति भरत यादव को मामले की जानकारी होने का भी दावा किया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि दिव्या ने करीब एक साल पहले पति मानस से तलाक के लिए अदालत में अपील दायर की थी। इसके बाद वह आलमबाग में रहने लगी थी। वहीं मानस हुसड़िया चौराहे के पास अपनी बहन सीबा के साथ किराए के मकान में रह रहा था। दिव्या सोशल मीडिया से जुड़ीं प्रज्ञा मिश्रा की बहन भी थीं। पत्नी की हत्या करने के बाद मानस अपने घर पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, वहां उसने अपनी बहन को भी गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी के घर से तीन हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अब हथियारों के इस्तेमाल, **WhatsApp** स्टेटस, मोबाइल फोन और घटनास्थल से मिले अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में पति–पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि तलाक की अर्जी भी दाखिल की गई थी। हालांकि, इस खूनी वारदात की सटीक वजह क्या थी, इसका पता पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। गोमतीनगर जैसे पॉश इलाके में दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने कानून–व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस **CCTV** फुटेज, मोबाइल फोन, **WhatsApp** स्टेटस और फोरेंसिक साक्ष्यों की मदद से पूरे मामले की जांच कर रही है।

सीतापुर–लखनऊ हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से कांवड़िये की मौत

लखनऊ। सीतापुर–लखनऊ हाईवे पर अर्जुनपुर के पास गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो कांवड़ियों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक कांवड़िये की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। बाराबंकी के कुर्सी निवासी सत्यम (२०) अपने दोस्त पलटूपुर निवासी शोभित के साथ बुधवार शाम कानपुर के गंगा घाट से डाक कांवड़ लेकर सिधौली स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने गए थे। गुरुवार दोपहर जलाभिषेक के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। अर्जुनपुर

के पास पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर जा गिरे। सत्यम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शोभित गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सौ शैया अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर चले गए। पुलिस ने सत्यम के परिजनों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चीनी के बढ़ते बेतहाशा दामों पर केंद्र का एक्शन

लखनऊ। चीनी के बढ़ते भाव ने रक्षाबंधन के त्योहार पर कड़वाहट घोल दी है। पिछले करीब २० दिनों में चीनी के दाम २० रुपये बढ़कर ६५ रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। व्यापारी त्योहार तक भाव ७० रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की बात कह रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, बढ़ते भाव का प्रमुख कारण चीनी की जमाखोरी, आपूर्ति से अधिक मांग, सट्टेबाजी, गन्ने के उत्पादन में कमी और इथेनॉल सम्मिषण नीति है। पहली अगस्त के आसपास चीनी ४५ रुपये प्रति किलो बिक रही थी। त्योहारों के मौसम से पहले चीनी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच केंद्र सरकार ने थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा तय कर दी है। इसके तहत महीने में १० टन से अधिक चीनी की खपत करने वाले उपभोक्ता १५ दिन की खपत से अधिक स्ट क नहीं रख सकेंगे।त्योहारों के बीच चीनी की कीमतों में तेजी से उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी है। पिछले करीब २० दिनों में चीनी के दाम करीब २० रुपये बढ़कर ६५ रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि अगर तेजी जारी रही तो त्योहारी सीजन में चीनी का भाव ७० रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। कारोबारियों के मुताबिक, चीनी की कीमत बढ़ने के पीछे जमाखोरी, मांग के मुकाबले कम आपूर्ति, सट्टेबाजी, गन्ने के उत्पादन में कमी और इथेनॉल सम्मिषण नीति जैसे कारण बताए जा रहे हैं। चीनी उद्योग के एक संगठन के मुताबिक, मंगलवार को देशभर में चीनी की औसत मिल–स्तरीय बिक्री कीमत बढ़कर ५,४००–५,५०० रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जो एक साल पहले ३,६०० रुपये प्रति क्विंटल थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के

मुताबिक, १८ अगस्त को चीनी का खुदरा दाम सालाना आधार पर करीब १३ प्रतिशत बढ़कर ५२.३० रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। एक साल पहले यह ४६.३४ रुपये प्रति किलोग्राम था। इससे पहले सरकार ने एक अगस्त से ३० नवंबर तक चीनी कारोबारियों के पास ३० दिन के लिए अधिकतम ४,००० क्विंटल स्ट क रखने की सीमा तय की थी। चीनी मिलों के स्तर पर बिक्री कीमतों में तेज वृद्धि के बीच सरकार ने अब थोक उपभोक्ताओं के लिए भी भंडारण सीमा तय की है। नए आदेश के तहत प्रत्येक मिल द्वारा किसी थोक उपभोक्ता को सीधे या कारोबारियों के जरिये बेची गई चीनी की मासिक मात्रा का सत्यापन किया जाएगा। खपत का निर्धारण विक्रेता औरध या खरीदार द्वारा दाखिल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न में चीनी के लिए लागू एचएसएन कोड के आधार पर किया जाएगा। आदेश में थोक उपभोक्ता का मतलब ऐसे कन्फेक्शनरी निर्माता, शीतल पेय विनिर्माता, खाद्य प्रसंस्करण इकाई, मिठाई विक्रेता या अन्य संस्थागत खरीदार से है, जिसकी औसत मासिक खपत पिछले एक साल में कम से कम १० टन रही हो। इसमें मौजूदा महीने की खपत शामिल नहीं होगी। हालांकि, केंद्र या राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन और स्थानीय निकायों से संबंधित संस्थानों पर यह आदेश लागू नहीं होगा। चीनी की मांग आमतौर पर अगस्त से नवंबर के दौरान बढ़ती है। इस अवधि में गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहार होते हैं। ऐसे में मांग बढ़ने के बीच सरकार ने स्ट क सीमा तय कर कीमतों पर नियंत्रण रखने की कोशिश की है। चीनी का पेराई सत्र २०२६–२७ एक अक्टूबर से शुरू होने वाला है। उद्योग का अनुमान है कि नया सत्र शुरू होते समय चीनी का शुरुआती स्ट क ४०–४२ लाख टन रह सकता है। कुछ शोधकर्ताओं ने इसके ३२–३५ लाख टन रहने का अनुमान जताया है। दोनों ही अनुमान करीब ५० लाख टन की अनुमानित घरेलू जरूरत से कम हैं। ऐसे में नए पेराई सत्र से पहले चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर नजर बनी हुई है।

लखनऊ में खुला नया ताज पैलेस, नवाबी विरासत और आधुनिक सुविधाओं का संगम

लखनऊ। नवाबी शहर लखनऊ की शान में एक और सितारा जुड़ गया है। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने राजधानी के गोमतीनगर में अपने नए लग्जरी होटल ताज पैलेस का उद्घाटन किया है। १८१ कमरों वाला यह होटल आधुनिक सुविधाओं के साथ लखनऊ की पारंपरिक नवाबी संस्कृति का अनुभव भी कराएगा। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत चटवाल ने कहा कि देश में आर्थिक गतिविधियों, निवेश और पर्यटन के विस्तार के साथ लखनऊ जैसे शहर तेजी से महत्वपूर्ण विकास केंद्र बनकर उभर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में दूसरे ताज होटल का उद्घाटन प्रदेश के बढ़ते आर्थिक और सामाजिक महत्व के साथ ही यहां आईएचसीएल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुनीत चटवाल ने बताया कि आईएचसीएल लंबे समय से उत्तर प्रदेश में मौजूद है। कंपनी की राज्य के २० से अधिक शहरों में करीब ६० होटल एवं परियोजनाएं हैं। कंपनी अपने अलग–अलग ब्रांड के जरिए उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और व्यावसायिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। गोमतीनगर के केंद्र में स्थित ताज पैलेस को आधुनिक वास्तुशिल्प और शांत वातावरण को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। हरियाली से घिरे इस होटल में आधुनिक सुविधाओं के साथ लखनऊ की नवाबी विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी। होटल में मेहमानों के लिए कई खास फूड और हॉस्पिटैलिटी विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें आधुनिक कैफे 'बिस्त्रोत', चीनी व्यंजनों का रेस्तरां 'हाउस ऑफ मिंग', ऑल–डे डाइनिंग रेस्तरां 'मचान' और प्रीमियम व्हिस्की बार 'शैडो एंड ओक' शामिल हैं। ताज पैलेस में मेहमानों के लिए आयुर्वेद

और समग्र स्वास्थ्य पर आधारित 'जे वेलनेस सर्कल', आधुनिक फिटनेस सेंटर और रूफटॉप स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। होटल की सबसे खास सुविधाओं में ताज समूह का विशेष सदस्यों के लिए आरक्षित बिजनेस क्लब 'द चौम्बर्स' भी शामिल है। उत्तर प्रदेश में पहली बार शुरू किया गया यह क्लब कॉर्पोरेट बैठकों और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रीमियम और निजी वातावरण उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा होटल में बड़े बैंक्वेट हॉल और बहुउद्देश्यीय आयोजन स्थल बनाए गए हैं। इनके जरिए ताज पैलेस को कॉन्फ्रेंस, बिजनेस मीटिंग, शादी और सामाजिक आयोजनों के लिए भी प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया गया है।

जापान के २४० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का चार दिवसीय यूपी दौरा शुरू, आगरा-लखनऊ-वाराणसी में दिखेगी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

लखनऊ। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित 'यूपी–जापान इन्वेस्टमेंट मीट–२०२६' में हिस्सा लेने के बाद जापान के २४० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का चार दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरा बृहस्पतिवार से शुरू होगा। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आ रहे प्रतिनिधिमंडल के लिए पर्यटन विभाग ने विशेष भ्रमण कार्यक्रम तैयार किया है। उन्होंने बताया कि जापानी प्रतिनिधिमंडल को ऐतिहासिक स्मारकों के साथ प्रदेश की जीवंत संस्कृति, ब्रज परंपरा, बौद्ध विरासत, आध्यात्मिकता, खान–पान और वेलनेस पर्यटन से परिचित कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल आगरा, लखनऊ और वाराणसी की यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश की विविध सांस्कृतिक पहचान से रूबरू होगा तथा दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन और सांसेंतिक सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा करेगा। जापानी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा ताज नगरी आगरा से शुरू होगी, जहां मेहमानों का ब्रज की पारंपरिक संस्कृति और लोक परंपराओं के साथ स्वागत किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

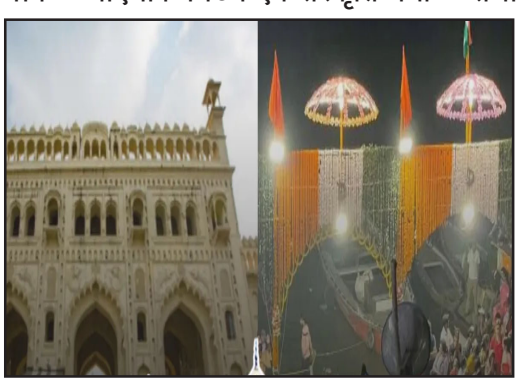

जयवीर सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल ताजमहल का भ्रमण कर लखनऊ के लिए रवाना होगा। अधिकारियों ने बताया कि २१ अगस्त को लखनऊ में मंत्री जयवीर सिंह जापानी प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश की बौद्ध पर्यटन क्षमता और जापान के साथ पर्यटन सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। दोनों पक्ष आरोग्य, ध्यान, अनुभव आधारित पर्यटन, खान–पान, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और पर्यटन क्षेत्र के हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार करेंगे। जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश और जापान बुद्ध संस्कृति, सभ्यता और विरासत साझा करते हैं, लेकिन पर्यटन क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं इससे कहीं अधिक व्यापक हैं। उन्होंने कहा कि काशी की आध्यात्मिकता, ब्रज की परंपराएं, प्रदेश का खान–पान, वेलनेस और जीवंत संस्कृति जापानी पर्यटकों को विशेष अनुभव दे सकती है। सिंह ने कहा कि यह यात्रा दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक परिचय मजबूत करने के साथ लोगों के बीच संपर्क और पर्यटन आवागमन बढ़ाने का अवसर है। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल का उत्तर प्रदेश दौरा २३ अगस्त को वाराणसी में संपन्न होगा।

शहजाद भट्टी नेटवर्क पर यूपी पुलिस का शिकंजा, १२ मुकदमे दर्ज, ५२ गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को कथित तौर पर कट्टरपंथ की ओर धकेलने, धार्मिक एवं संवेदनशील स्थानों पर हमला करने और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की साजिश में शामिल शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ १२ मुकदमे दर्ज कर ५२ लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से बृहस्पतिवार को यहां जारी बयान के अनुसार, यह गिरोह कथित रूप से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई एवं पाकिस्तानी बदमाश शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम करता था। आरोप है कि नेटवर्क सोशल मीडिया के जरिए भारतीय युवाओं को भर्ती करता था और बाद में उन्हें कट्टरपंथी बनाया जाता था। बयान के मुताबिक, आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर इस वर्ष २६ मई को अभियान चलाया। इस दौरान नेटवर्क से जुड़े करीब १७५ संदिग्ध लोगों की जांच की गई। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद १२ मुकदमे दर्ज किए गए और ५२ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से पिस्तौल, कारतूस, चाकू, ज्वलनशील पदार्थ एवं आपत्तिजनक पोस्टर बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, शासकीय गुप्त बात अधिनियम और सूचना–प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत लखनऊ के एटीएस थाने के अलावा हापुड़, गाजियाबाद और बिजनौर के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले महीने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर शहजाद भट्टी नेटवर्क और उसके सदस्यों को आतंकवादी घोषित करने की मांग की थी। बयान के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस से पहले १२ अगस्त को पूरे राज्य में चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े तथा देश विरोधी एवं आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह वाले करीब ६२ लोगों को चिह्नित कर उनसे पूछताछ की गई।

ट्रंप का बड़ा दावाः इस साल किम जोंग–उन से करेंगे मुलाकात, बोले– उत्तर कोरिया के पास 57 परमाणु हथियार

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस वर्ष उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग–उन से मुलाकात करेंगे। श्री ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या वह इस वर्ष के अंत में श्री किम से मुलाकात की उम्मीद कर रहे हैं। श्री ट्रंप ने कहा, "हां, मैं (उनसे मुलाकात) करूंगा।" उन्होंने दावा किया कि उत्तर कोरिया के पास ५७ 'बेहद शक्तिशाली' परमाणु हथियार हैं। यह पहली बार है जब श्री ट्रंप ने उत्तर कोरिया के परमाणु जखीरे की कोई निश्चित संख्या बतायी है। एक दिन पहले 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट में कहा गया था कि श्री ट्रंप अपने सहयोगियों पर श्री किम के साथ बैठक की तैयारी के लिए दबाव डाल रहे हैं। ऐसी बैठक नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में श्री ट्रंप की संभावित यात्रा के दौरान हो सकती है। श्री ट्रंप ने हालांकि श्री किम के साथ दोबारा बातचीत शुरू करने की अपनी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। यह पूछे जाने पर कि क्या वह किम के साथ लिखित पत्रों के माध्यम से संपर्क में हैं, उन्होंने कहा, "मैं आपको यह नहीं बता सकता। श्री ट्रंप ने बाद में एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया कि श्री किम के साथ बातचीत बहाल करने का उनका लक्ष्य अब भी उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण है या नहीं। इससे आशंका बढ़ी है कि उनका प्रशासन पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के बजाय तनाव कम करने और परमाणु जोखिम के प्रबंधन जैसे सीमित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। ट्रंप प्रशासन इससे पहले उत्तर कोरिया के 'पूर्ण' परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति प्रतिबद्धता दोहरा चुका है। श्री ट्रंप ने कहा, "मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, किम जोंग–उन के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं। उन्हें (जो) बाइडेन पसंद नहीं थे। उन्हें (बराक) ओबामा पसंद नहीं थे। उन्हें कोई पसंद नहीं था, लेकिन वह मुझे पसंद करता है। श्री ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब उनके श्री किम के

साथ व्यक्तिगत कूटनीति दोबारा शुरू करने की संभावना को लेकर अटकलें तेज हैं। अपने पहले कार्यकाल में श्री ट्रंप ने श्री किम के साथ तीन बैठकें की थीं। दोनों नेताओं की पहली मुलाकात जून २०१८ में सिंगापुर में, दूसरी फरवरी २०१९ में हनोई में और तीसरी जून २०१९ में पनमुनजोम स्थित अंतर–कोरियाई सीमा गांव में हुई थी। इन अटकलों को श्री ट्रंप के दक्षिण कोरिया–अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती के हालिया निर्देश से भी बल मिला है। इसे उत्तर कोरिया के प्रति एक सुलहकारी कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उत्तर कोरिया लंबे समय से इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों को अपने खिलाफ युद्ध की तैयारी करार देता रहा है। यह सवाल बना हुआ है कि श्री किम श्री ट्रंप की पहल पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। रूस के साथ उत्तर कोरिया के राजनयिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों में बढ़ोतरी तथा चीन के साथ बेहतर संबंधों ने उत्तर कोरिया की अमेरिका पर निर्भरता को पहले की तुलना में कम किया है। श्री ट्रंप की पहली प्रेस वार्ता से कुछ समय पहले ही श्री किम जोंग–उन की प्रभावशाली बहन किम यो–जोंग ने दक्षिण कोरिया– अमेरिका के जारी सैन्य अभ्यास में कटौती को लेकर कहा कि उत्तर कोरिया को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कदम 'टिप्पणी के लायक भी नहीं' है। उन्होंने यह भी कहा कि श्री ट्रंप के लिए श्री किम 'अच्छी यादें और भावनाएं' रखते हैं और दोनों नेताओं के संबंध अब भी उत्कृष्ट हैं। उनके इस बयान को अमेरिका के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने की संभावना के लिए एक खुला संकेत माना जा रहा है। श्री ट्रंप ने पहले उत्तर कोरिया को 'परमाणु शक्ति' कहा है, लेकिन यह पहली बार है जब उन्होंने उसके परमाणु जखीरे की कोई विशिष्ट संख्या बतायी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्तर कोरिया के पास करीब ६० परमाणु हथियार हो सकते हैं और उसके पास इतनी विखंडनीय सामग्री भी हो सकती है जिससे दर्जनों और हथियार बनाए जा सकते हैं। श्री ट्रंप ने कहा, "अगर मैं राष्ट्रपति होता तो इसकी अनुमति नहीं देता। लेकिन उसके पास ये हथियार हैं। मैं उसके साथ बहुत अच्छी तरह मिलता हूं। जब तक हमारे पास एक समझदार राष्ट्रपति है, वह ठीक रहेंगे। अगर हमारे पास कोई मूर्ख राष्ट्रपति है, तो शायद वह इतना ठीक नहीं रहेंगे।

'वंदे मातरम' विवाद पर सियासी घमासान, शाह बोले– कांग्रेस कर रही वोट बैंक की राजनीति

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि 'वंदे मातरम' के केवल दो अंतरे गाने का पार्टी का फैसला न केवल "राष्ट्रविरोधी" है बल्कि कानून की खुली अवहेलना और "वोट बैंक" के लिए तुष्टीकरण की राजनीति भी है। शाह ने राष्ट्रगीत को पूरा गाने के बजाय केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के फैसले का उल्लेख करते हुए देश के विभाजन के इतिहास का जिक्र किया और कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने के कारण देश को इसके परिणाम भुगतने पड़े। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम' के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने का जो फैसला किया है, वह न केवल देश विरोधी है बल्कि संसद के बनाए कानून की खुली अवहेलना भी है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने ही १९३७ में तुष्टीकरण के लिए 'वंदे मातरम' के दो टुकड़े किए। उन्होंने कहा वहीं से दो–राष्ट्र सिद्धांत को ताकत मिली और देश का विभाजन हुआ। 'वंदे मातरम्' के १५०वें वर्ष पर (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी (के नेतृत्व वाली) सरकार ने यह ऐतिहासिक गलती सुधारी और पूर्ण गान को कानूनी स्वरूप दिया लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस फिर उसी वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के रास्ते पर है।" उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के टुकड़े करने की गलती एक बार हो चुकी है और देश उसके परिणाम भुगत चुका है। उन्होंने कहा देशवासियों से यह अपील है कि कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें।" कांग्रेस ने बुधवार को कहा था कि वह 'वंदे मातरम्' को लेकर १९३७ में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और उस समय के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए फैसले का पूरी तरह पालन करेगी तथा इसी के अनुरूप पार्टी कार्यकर्ता राष्ट्रगीत के सिर्फ दो अंतरे ही गाएंगे। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में इसे लेकर चर्चा हुई और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने १९३७ के सीडब्ल्यूसी के उस प्रस्ताव के कुछ अंश भी पढ़े जिसमें वंदे मातरम् के दो अंतरों के गायन का निर्णय लिया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस द्वारा अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाए जाने के फैसले को लेकर विपक्षी दल पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस वोट के लिए "नयी मुस्लिम लीग" बन गई है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन के बाद युवाओं पर फोकस, यूनिवर्सिटियों में पहुंचेंगे मोदी सरकार के मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के बाद से ही युवाओं से जुड़ने की कोशिश कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के मंत्रियों को हर दिन किसी न किसी यूनिवर्सिटी में भेजने की योजना बनाई है। बताया जा रहा है कि यह योजना तैयार की जा रही है, जिसके तहत मंत्री हर दिन एक यूनिवर्सिटी में जाएंगे और छात्रों से उनकी चिंताओं पर बात करेंगे साथ ही देश से जुड़े मुद्दों पर उनकी राय जानेंगे। बताया गया है कि 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' कार्यक्रम के तहत मंत्री निर्धारित यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से अलग अलग मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वे युवाओं व छात्रों के लिए चल रही सरकारी योजनाओं के बारे में उनको जानकारी देंगे। असल में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के मंत्री छात्रों और युवाओं से सीधे जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के तहत प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो पोस्ट किए। बहरहाल, जानकार सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और युवा मामले व खेल मंत्री मनसुख मांडविया को यूनिवर्सिटी और दौरे पर जाने वाले मंत्रियों के साथ तालमेल की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, मंत्रियों के यूनिवर्सिटी दौरे का पूरा कार्यक्रम अभी सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि कैबिनेट बैठक में इस योजना पर चर्चा हुई और साथ ही मंत्रियों की सोशल मीडिया पोस्ट की पहुंच पर भी चर्चा हुई। इसमें खासतौर पर युवा लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की बात कही गई।

हॉकी वर्ल्ड कप में भारत ने पाक को 5–3 से हराया

नई दिल्ली। हॉकी विश्व कप मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के ऊपर अपना दबदबा बनाए रखा है। भारत ने एक और विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान को हराया। पुरुषों के ह की विश्व कप के लीग मुकाबले में बुधवार को भारत ने पाकिस्तान को ५–३ से हरा दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट की टॉप आठ में यानी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। दूसरी ओर इस हार के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। नीदरलैंड के वैगनर हॉकी स्टेडियम में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अभिषेक ने दो–दो गोल किए। हार्दिक सिंह ने एक गोल दागा। पाकिस्तान की ओर से हन्नान शाहीद ने दो और सुफियान खान एक गोल किया। विश्व कप में यह भारत ने अपनी दूसरा मैच जीता है। भारतीय टीम ग्रुप–डी में दूसरे नंबर पर है। भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह टूर्नामेंट के टॉप गोल स्कोरर बने। उनके अब पांच गोल हो गए हैं। सबसे ज्यादा गोल करने वाले टॉप पांच खिलाड़ियों में हरमनप्रीत के अलावा भारत के अभिषेक भी हैं। गौरतलब है कि भारत पिछले १० साल से पाकिस्तान के खिलाफ अजेय है। इस दौरान हुए २० मुकाबलों में भारत १८ मैच जीता है, जबकि दो मुकाबले ड्र रहे है। पाकिस्तान ने आखिरी बार साउथ एशियन गेम्स २०१६ के फाइनल में भारत को १–० से हराया था। नीदरलैंड में मिली भारत की जीत यह पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार छठी जीत है।

कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली। दिल्ली में १९८४ के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। सफदरजंग अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। अस्पताल ने अभी उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुमार को १९८४ के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे में आग लगाए जाने से जुड़े मामले में १७ दिसंबर २०१८ को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कुमार तिहाड़ जेल में बंद थे। दिल्ली की एक अदालत ने भी दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या से जुड़े एक अन्य मामले में फरवरी २०२५ में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। तीन बार लोकसभा

सदस्य रहे कुमार ने बाहरी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था और वह कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। उन्होंने २०१८ में दोषी ठहराए जाने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

पेपर लीक के बावजूद नीट परीक्षा सिस्टम को बताया फुलप्रूफ, सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए की व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। तीन साल में जिस परीक्षा के दो बार पेपर लीक हुए, परीक्षा केंद्र मैनेज किए गए और परीक्षा में धांधली हुई उस परीक्षा सिस्टम को भारत सरकार ने फुलप्रूफ बताया है! बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि मेडिकल में दाखिले की नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। सरकार ने कहा कि पेपर तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्र में पहुंचाने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा जाता है। गौरतलब है कि इस साल तीन मई को हुई नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक हो गए थे, जिसकी वजह से परीक्षा रद्द करनी पड़ी और २१ जून को दोबारा परीक्षा हुई। दो साल पहले २०२४ में भी पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी हुई थी। हालांकि तब सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द नहीं की थी लेकिन देश के कई परीक्षा केंद्रों पर दोबारा परीक्षा करानी पड़ी थी। इसके बावजूद सरकार ने इसके सिस्टम को फुलप्रूफ बताया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की बात पर ध्यान नहीं दिया और परीक्षा कराने वाली केंद्र सरकार

की संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नई तकनीक को समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही यह भी सलाह दी कि अनुभवी अधिकारियों का बार बार तबादला नहीं होना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि परीक्षा में सुधार के लिए बनी नंदन नीलेकणी कमेटी ने क्या काम किया है। इस पर सरकार ने बताया कि बुधवार, १६ अगस्त को ही पहली बैठक होनी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, एफएआईएमए और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। बुधवार की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद अपनी बात को दोहराते हुए दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में वही कमजोरियां दोबारा न लौटें।

आजम खान के यहां ईडी का छापा, मुश्किलें और बढ़ गई

लखनऊ। लंबे समय से जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अभी तक वे उत्तर प्रदेश के अलग अलग थानों में दर्ज आपराधिक मामलों में सजा काट रहे थे लेकिन अब उनके यहां केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी पहुंच गई है। ईडी ने नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट से जुड़े १० ठिकानों पर बुधवार सुबह छापा मारा। यूनिवर्सिटी में पढ़ाई चल रही थी और उसी बीच ईडी की कार्रवाई भी चलती रही। रामपुर के अलावा सहारनपुर और दिल्ली में भी ईडी ने कई जगह छापा मारा। सहारनपुर में चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपक गुप्ता के अ फिस और घर पर भी छापा मारा गया। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने धनशोधन रोकथाम कानून यानी पीएमएलए के तहत कार्रवाई की है। आरोप है कि सरकारी ठेकों में कमीशन लिया गया और उससे मिले पैसों को कथित तौर पर जौहर यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े ट्रस्ट तक पहुंचाया गया। यह भी आरोप है कि इन पैसों का इस्तेमाल यूनिवर्सिटी की संपत्तियां बनाने और दूसरे कामों में किया गया। अब एजेंसी यह पता लगा रही कि सरकारी ठेकों का पैसा किन लोगों और कंपनियों के जरिए ट्रस्ट या यूनिवर्सिटी तक पहुंचा। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से जौहर यूनिवर्सिटी चर्चा में है। १५ जुलाई को रामपुर के कलेक्टर ने यूनिवर्सिटी की ४० में से ३८ इमारतों को ढहाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बिना नक्शा पास कराए इमारतों का निर्माण कराया।

हालांकि, मुरादाबाद के कमिश्नर आन्जनेय सिंह के कोर्ट ने रामपुर डीएम के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस बीच समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने छापेमारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला, एक्सप्रेसवे, पुल, सड़क, टंकी और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दे गिनाए और सरकार से सवाल किया कि इन मामलों में ईडी की कार्रवाई क्यों नहीं होती। गौरतलब है कि थोड़े दिन पहले ही अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव ने रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात की थी और कहा था कि सपा की सरकार बनी तो उनको गृह मंत्री बनाया जाएगा।

पीएम केयर्स फंड में पड़े हैं ८,४५२ करोड़ रुपए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के समय पीएम केयर्स फंड की शुरुआत की थी। अब इसमें ८,४५२ करोड़ रुपए पड़े हैं। पिछले करीब दो साल से इस फंड का कोई इस्तेमाल नहीं हुआ है। कोराना के समय कई उपकरण खरीदने में इस फंड के पैसे का इस्तेमाल हुआ था। इस फंड में साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए होने की खबर सामने आने के बाद कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें इतने पैसे पड़े हैं और बाढ़ व दूसरी आपदा से प्रभावित लोगों की मदद नहीं की जा रही है। बहरहाल, मंगलवार को इस फंड के बारे में जानकारी जारी आई है, जिसके मुताबिक २०२५ में पीएम केयर्स फंड में घरेलू दान ३० फीसदी घट कर करीब ४७६ करोड़ रुपए रहा। विदेशी दान में भी कमी आई। यह १८ फीसदी कम होकर ६२.८ लाख रुपए रह गया है। इसकी अ डिट रिपोर्ट के मुताबिक, २०२४ में पीएम केयर्स फंड में कुल रकम ७,१७३ करोड़ रुपए थी। २०२५ में यह ८,४५२ करोड़ रुपए हो गई।

चंपत, अनिल मिश्र को क्लीन चिट

लखनऊ। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी की जांच कर रही विशेष जांच टीम यानी एसआईटी ने चंपत राय और अनिल मिश्र को क्लीन चिट दे दी है। जानकार सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश सरकार की बनाई एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का नाम नहीं है। ऐसे ही ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र का नाम भी इसमें नहीं है। गौरतलब है कि मंदिर में चढ़ावा और दान की रकम की गिनती और उसे बैंक में जमा कराने का काम इन लोगों की प्रत्यक्ष देखरेख में होता था। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने एसआईटी की रिपोर्ट श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंप दी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की दो सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। गौरतलब है कि ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था। इससे बाद राज्य सरकार ने १३ जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यों

की एसआईटी बनाई थी। एसआईटी ने २३ जून को आरंभिक रिपोर्ट सौंपी थी। बाद में इसे दो हफ्ते का समय और दिया गया था। इस बीच यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया, जहां सर्वोच्च अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की अध्यक्षता में नई एसआईटी बनाने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर २० जुलाई को नई एसआईटी बनी, जिसमें लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक यानी आईजी किरण एस, अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और अयोध्या के एसएसपी गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया। यह एसआईटी अब भी चढ़ावा चोरी की जांच कर रही है। गौरतलब है कि चोरी का मामला पहली बार सात जून को सामने आया। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी का गठन हुआ, जिसने २३ जून को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। इसके आधार पर २५ जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित आठ आरोपियों को नामजद किया गया। ये सभी आरोपी गिरफ्तार हैं। SIT की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। ट्रस्ट ने दोनों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए और गोपाल राव को विशेष आमंत्रित की सूची से हटा दिया।

अगले साल और बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली। दुनिया की जानी मानी वित्तीय कंपनी जेपी म र्गन ने भविष्यवाणी की है कि अगले साल यानी २०२७ में भारत सहित दुनिया

भर में खाने पीने की चीजों के दाम काफी बढ़ सकते हैं। जेपी मॉर्गन ने दावा किया है कि सुपर अल नीनो के असर से मानसून कमजोर होने, ईरान व अमेरिका जंग से तेल की कीमतें बढ़ने और महंगी खाद के कारण खेती पर बुरा असर पड़ सकता है। इसकी रिपोर्ट में बताया गया कि २०२७ की पहली छमाही में दुनिया भर में खाने पीने की चीजों के दाम पांच फीसदी तक बढ़ सकते हैं। इस साल यानी २०२६ की पहली छमाही में यह आंकड़ा २.८ फीसदी पर था। भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि देश में पहले से ही रासायनिक खाद काफी महंगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, महंगाई बढ़ने से भारत सरकार पर तीन लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा। असल में पूरी दुनिया का ४२ फीसदी यूरिया और २७ फीसदी अमोनिया पश्चिम एशिया के देशों से आता है। वहां २८ फरवरी से युद्ध चल रहा है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद पूरे इलाके में तनाव बना हुआ है और मुख्य समुद्री रास्ता यानी होर्मुज की खाड़ी का रास्ता बंद है। वहां सप्लाई प्रभावित होने से पूरी दुनिया में खाद की भारी किल्लत हो जाएगी और दाम आसमान छूने लगेंगे। गैस महंगी होने से, खाद बनाना भी महंगा हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया के देशों में गैस के संयंत्र ठप्प हुए या उत्पादन कम हुआ है और साथ ही आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है। इसके फिर से बहाल होने में बहुत समय लगेगा। कहा जा रहा है कि इसे पूरी तरह से ठीक होने में एक से पांच साल तक लग सकता है।

पुलिस ने सीजेपी के संसद मार्च को गैरकानूनी बताया

नई दिल्ली। नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों के २० जुलाई के संसद मार्च पर दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफनामा दायर किया है। मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि २० जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को इसकी अनुमति नहीं दी गई थी। पुलिस ने यह भी कहा है कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने अदालत को बताया है कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। उसने कहा है कि हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। दिल्ली पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने अदालत में हलफनामा दाखिल किया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। याचिकाओं में पुलिस

ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। पुलिस ने अपने हलफनामे में कहा है कि २० जुलाई को जंतर मंतर के आसपास ३० हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब तीन किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए करीब पांच हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। इसमें बताया गया है कि प्रदर्शनकारियों से झड़प में २४० से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब दो सौ प्रदर्शनकारी घायल हुए। पुलिस पर आरोप लगा था कि सादे कपड़े में बहुत से लोग तैनात थे। इसे लेकर हलफनामे में कहा गया है कि स्पेशल ब्रांच, स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस के जवान सादे कपड़ों में भीड़ के बीच मौजूद थे। यह सामान्य सुरक्षा रणनीति है। पुलिस ने अपने हलफनामे में कहा है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की लगाई बैरिकेड तोड़ दिए, पुलिसकर्मियों से मारपीट की और उनका सुरक्षा सामान खींचा। इसके बाद हिंसा रोकने के लिए कानूनी तरीके अपनाए गए। लाठियों के इस्तेमाल पर पुलिस ने कहा कि बल प्रयोग जरूरी हो गया था और भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठियां मान्य उपकरण हैं।

एएनएम लाखों के जेवर–गहनें और ३ लाख कैश लेकर प्रेमी के साथ फरार!

हरदोई। स्वास्थ्य महकमें में तैनात एएनएम लाखों के जेवर–गहनें और ३ लाख कैश ले कर प्रेमी के साथ कहीं चली गई, उसके पति का दावा कि जाने से पहले ही उसने अपने खाते से प्रेमी के खाते में दो लाख पांच हजार रुपये ट्रांसफर किए थे। पत्नी को ढूंढते–ढूंढते थक चुके उसके पति ने बुधवार की देर शाम एएनएम पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पत्नी के लिए इधर–भटकते फिर रहे पति ने पुलिस को बताया कि उसकी ३६ वर्षीय पत्नी स्वास्थ्य महकमें में है और सीएचसी के उपकेंद्र पर तैनात है। उसने आगे बताया कि ७ अगस्त २०२६ की सुबह लगभग १० बजे वह ड्यूटी के लिए निकली थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। उसे पूरी रात इधर–उधर ढूंढा गया,लेकिन उसका तो कुछ पता नहीं चला, लेकिन बाद में कुछ खास लोगों से सुनने में आया कि बेहटा गोकुल थाने के निजाम पुर निवासी पवन कुमार पुत्र सूरज प्रसाद उसकी पत्नी को बहला–फुसलाकर अपने साथ कहीं भगा ले गया है। पति का कहना है कि उसकी एएनएम पत्नी घर से लगभग ३ लाख रुपये कैश और लाखों का गहना–जेवर,जिसमें २ जोड़ी झाले, ४ सोने की अंगूठी, एक मंगलसूत्र, एक नथ, मांग टीका, कानों के ट प्स, २ कंगन, ओम, सोने की चौन और चांदी की पायल शामिल हैं,साथ ले गई। पति का दावा है कि जाने से पहले उसकी एएनएम पत्नी ने अपने बैंक खाते से दो लाख पांच हजार रुपये आरोपी प्रेमी पवन कुमार के खाते में ट्रांसफर कर दिए। काफी ढूंढने के बाद जब कोई सुराग नहीं लगा,तब थक–हार कर उसने पुलिस को तहरीर दी। इस बारे में एसएचओ पिहानी श्याम नारायण सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस ने प्रेमी के साथ गई एएनएम के पति की तहरीर पर शादी के झांसे में भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज जांच शुरु कर दी है। उन दोनों का पता लगाने के लिए सर्विलांस की मदद लेते हुए उनकी लोकेशन सर्च की जा रही है,साथ ही बैंक से रुपये ट्रांसफर करने के आरोप पर एएनएम और उसके प्रेमी के बैंक खाते खंगालते हुए पुलिस ने जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी अलग–अलग करने का दावा किया है।

लखनऊ में डेंगू के मुकाबले मलेरिया ने पकड़ी रफ्तार, सीएचसी परिसर में खुले ड्रमों में पनप रहे मच्छर

लखनऊ। लखनऊ में इस बार मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़े बीमारी के बदलते रुख की ओर इशारा कर रहे हैं। पिछले वर्षों की तुलना में डेंगू के मामले तो काफी कम हैं, लेकिन मलेरिया मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इस वर्ष १६ अगस्त डेंगू के ६२ मरीज सामने आए, जबकि मलेरिया के मरीजों की संख्या २०७ पहुंच चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष २०१६ में डेंगू के २१६२ और मलेरिया के १४६ मरीज सामने आए थे। वर्ष २०२० में डेंगू मरीजों की संख्या ८८२ और मलेरिया के मरीजों की २५ रिकार्ड की गई थी। वर्ष २०२१ में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर १६७८ और मलेरिया के ३४ पहुंच गई थी। वर्ष २०२२ में डेंगू का प्रकोप बढ़ने से मरीजों की संख्या २६४८ तक पहुंच गई थी। इसी साल मलेरिया के भी १५७ मरीज मिले थे। वर्ष २०२३ में डेंगू के २७४६ और मलेरिया के ६७ मरीज मिले। वर्ष २०२४ में डेंगू ने आठ वर्ष के आंकड़ों में सबसे ऊंचा स्तर छुआ। इस साल डेंगू के ३२४४ मरीज मिले जबकि मलेरिया मरीजों की संख्या ४६२ हो गई। वर्ष २०२५ में स्थिति कुछ सुधरी और डेंगू के मरीज ६३० ही मिले, किंतु मलेरिया ने नया रिक र्ड बनाया और मरीजों की संख्या ६७६ पहुंच गई। इस वर्ष १६ अगस्त तक डेंगू के ६२ और मलेरिया के २०७ मरीज सामने आ चुके हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो २०२४ तक डेंगू हावी रहा, लेकिन वर्ष २०२५ से मलेरिया के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में बारिश और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के बीच मलेरिया की रोकथाम स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। एडीज मच्छररू डेंगू, चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसी बीमारियां होती हैं। यह मच्छर दिन के समय, खासकर सुबह और शाम के समय काटते हैं। साफ पानी में अंडे देते हैं जैसे कि बर्तन, कूलर, टायर, और फूलदान में जमा पानी। इनकी दो प्रमुख प्रजातियां हैं, एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस। एडीज मच्छर की पहचान इसके काले शरीर और सफेद धारियों से होती है, खासकर

पैरों पर। जब ये मच्छर किसी संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं तो वे वायरस को अपने अंदर ले लेते हैं। इसके बाद जब ये किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटते हैं तो वायरस उस व्यक्ति में चला जाता है, जिससे बीमारी फैल जाती है। एनोफिलीज मच्छर रू इनके काटने से मलेरिया होता है। ये मच्छर रुके हुए साफ पानी में पैदा होते हैं। रात के वक्त काटते हैं। सिर्फ मादा एनोफिलीज मच्छर ही इंसानों का खून चूसती है। ये मच्छर पतले और लंबे होते हैं। जब ये कहीं बैठते हैं, तो इनका पेट ऊपर की तरफ उठा रहता है। क्यूलेक्स मच्छरः इनकी वजह से फाइलेरिया और जापानी इंसेफेलाइटिस होता है। ये मच्छर गंदे पानी में पनपते हैं। शाम या रात के समय काटते हैं। तालाबों, झीलों व खेतों में पनपते हैं। क्यूलेक्स मच्छर भूरे रंग के होते हैं और इनके शरीर पर कोई खास ध ाारियां नहीं होती हैं। मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। लोग लापरवाही न बरतें अपने आसपास ऐसी स्थिति उत्पन्न न होने दें। जिससे मच्छर पनप सकें। –नवल किशोर रोड सीएचसी परिसर में खुले में पड़े हैं कीटनाशक के ड्रम, बारिश का पानी भरने से पनप रहे मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए इस्तेमाल होने वाला कीटनाशक ही लापरवाही के चलते मच्छरों के पनपने का जरिया बन रहा है। नवल किशोर रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में मैलाथियान टेक्निकल से भरे ड्रम खुले में पड़े हैं। इन ड्रमों के ऊपर बारिश का पानी जमा होने से मच्छर पनप रहे हैं। खास बात यह है कि इसी परिसर में मलेरिया विभाग का कार्यालय भी संचालित होता है। इसके बावजूद कीटनाशक के ड्रमों को खुले में रखने और उनमें पानी जमा होने से रोकने के लिए कोई प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आ रहा है। बारिश के मौसम में खुले कंटेनर और उनमें जमा साफ पानी मच्छरों के लिए अनुकूल प्रजनन स्थल बन सकते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र परिसर में ही इस तरह पानी जमा होना मच्छर नियंत्रण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। एक ओर स्वास्थ्य विभाग डेंगू–मलेरिया की रोकथाम के लिए अभियान चलाता है, वहीं दूसरी ओर उसके ही परिसर में मच्छरों के पनपने की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। सीएमओ ड . एनबी सिंह ने कहा इसकी जांच कराई जाएगी। अस्पताल परिसर में ऐसी लापरवाही बर्दास्त नहीं।

CHC में शॉर्ट सर्किट के बाद धुआं फैला, मरीजों में मची अफरा–तफरी

रमथुरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर मथुरा में श र्ट सर्किट के बाद धुएं का गुबार उठने से मरीजों और तीमारदारों में अफरा–तफरी मच गई। महिला वार्ड और उससे सटे अ परेशन थियेटर में अचानक धुआं फैलने से घबराए लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। कुछ देर के लिए अस्पताल परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। अस्पताल कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन यंत्रों की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया। एहतियातन मरीजों और तीमारदारों को वार्डों से बाहर निकाल दिया गया। बताया जाता है कि महिला वार्ड के बाद इलेक्ट्रिक यूनिट रूम में भी धुआं दिखाई दिया। हालांकि आग नहीं लगी, लेकिन धुएं के कारण आग जैसी स्थिति बन गई थी। समय रहते स्थिति संभाल लिए जाने से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

डीएसओ की कार्यशैली से पीड़ितों को मिल रहा न्याय

लखीमपुर–खीरी। जिला पूर्ति अधिकारी सीमा त्रिपाठी की कार्यशैली से राशन कार्ड धारकों और पूर्ति विभाग से जुड़ी समस्याओं को लेकर परेशान लोगों को राहत मिल रही है। कार्यालय पहुंचने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनने के साथ ही उनके निस्तारण के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे लोगों में विभाग के प्रति भरोसा बढ़ा है। राशन कार्ड में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन कराने, यूनिट बढ़ाने समेत पात्रता से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रतिदिन लोग जिला पूर्ति कार्यालय पहुंचते हैं। कई मामलों में तकनीकी अथवा विभागीय कारणों से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में डीएसओ सीमा त्रिपाठी फरियादियों की बात गंभीरता से सुन रही हैं और समस्या के समाध ाान के लिए आवश्यक कार्रवाई

कराती हैं। फरियादियों का कहना है कि सबसे बड़ी राहत यह है कि उनकी शिकायत को सुना जा रहा है और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी को समाधान के निर्देश दिए जाते हैं। इससे लोगों को बार–बार कार्यालय के चक्कर लगाने से भी राहत मिल रही है।

राजीव गांधी पॉलीटेक्निक के नाम पर फर्जीवाड़ा, SBI से ६.४० करोड़ का लोन लेकर मचाई खलबली

अमेठी। भारतीय स्टेट बैंक की अमेठी शाखा की आंतरिक जांच में राजीव गांधी पॉलीटेक्निक, मुसाफिरखाना और ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंक से करीब ६.४० करोड़ रुपये का ऋण लेने का मामला सामने आया है। बैंक के मुख्य प्रबंधक राहुल सिंह ने मंगलवार को मुसाफिरखाना कोतवाली में तहरीर देकर कई लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। तहरीर के मुताबिक, बैंक की जांच में सामने आया कि १५ मार्च २०२२ से १५ जून २०२४ के बीच राजीव गांधी पॉलीटेक्निक और ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के कर्मचारी बताकर अलग–अलग जिलों में स्थित एसबीआई की शाखाओं से कुल ६४ एक्सप्रेस क्रेडिट लोन स्वीं त कराए गए। इनमें ११ ऋण अमेठी जिले की शाखाओं से लिए जाने की बात कही गई है। बैंक के उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार कुल वित्तीय धोखाधड़ी करीब ६. ४० करोड़ रुपये की है। हालांकि बैंक ने राशि को अभिलेखों के मिलान, सत्यापन, ब्याज, शुल्क और अन्य समायोजनों के अधीन बताया है। बैंक की तहरीर में आरोप लगाया गया है कि फर्जी कर्मचारियों के एसबीआई खातों में पहले पॉलीटेक्निक के एचडीएफसी और बैंक ऑफ बड़ौदा के चालू खातों

से डमी क्रेडिट भेजा गया। इसके बाद फर्जी नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची और फॉर्म–१६ तैयार कर इन्हें वास्तविक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाकर एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण स्वीकृत कराए गए। तहरीर में पॉलीटेक्निक के मैनेजर अमित द्विवेदी, प्रधानाचार्य देवेंद्र प्रसाद शुक्ला, निदेशक सरोज कुमार, सहायक राहुल नायक समेत कई लोगों के नाम दर्ज हैं। बैंक ने आरोप लगाया है कि सभी आरोपियों ने आपसी सहयोग और सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऋण प्राप्त किए। शुरुआत में कुछ किस्तें जमा करने के बाद कई ऋण खाते एनपीए हो गए। बैंक के अनुसार अमित द्विवेदी, पुष्पा देवी, राहुल नायक और अंकित शुक्ला समेत अन्य लोगों के नाम से ऋण स्वींत हुए। इसके अलावा अमित कुमार पांडेय, अंकिता, अनुराज और शैलेंद्र कुमार समेत अन्य लोगों पर भी पॉलीटेक्निक का कर्मचारी बताकर ऋण लेने का आरोप लगाया गया है। बैंक की ओर से तहरीर के साथ कर्मचारियों की सूची एवं ऋण खाता विवरण, कथित फर्जी नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची व फ र्म–१६ की प्रतियां तथा ऋण खातों के बैंक स्टेटमेंट और फंड ट्रेल भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। कोतवाल विवेक सिंह ने बताया कि बताया कि बैंक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ऋण खातों, प्रस्तुत दस्तावेजों और धनराशि के लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीबीटी से ७.८३ लाख विद्यार्थियों के अभिभावकों को मिली शैक्षिक सामग्री की सहायता

लखनऊ।'' बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक परिस्थितियां बाधा न बनें और प्रत्येक विद्यार्थी को विद्यालय में समान एवं सम्मानजनक अवसर मिले, इसके लिए योगी सरकार ने शैक्षिक सामग्री के लिए दी जाने वाली सहायता को डीबीटी के माध्यम से सीधे अभिभावकों के बैंक खातों तक पहुंचाने की व्यवस्था की है। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में कक्षा एक से आठ

तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को यह सहायता दी जा रही है। इस धनराशि का उपयोग निर्धारित यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी खरीदने के लिए किया जाना है। सरकार का कहना है कि इससे बच्चों को शैक्षिक सत्र की शुरुआत से ही पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। योजना के तहत अभियान की शुरुआत ८ जुलाई २०२६ को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। इस दौरान करीब १.१० करोड़ विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि अंतरित की गई थी। योजना की प्रगति के क्रम में दूसरे चरण में ७.८३ लाख विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में निर्धारित धनराशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। इससे पात्र विद्यार्थियों के लिए आवश्यक शैक्षिक सामग्री की समय से व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को गरिमापूर्ण और समान विद्यालयी अनुभव प्रदान करना है। यूनिफ र्म, जूता–मोजा, स्वेटर, बैग और स्टेशनरी उपलब्ध होने से विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के साथ–साथ नियमित उपस्थिति और सीखने के अनुकूल वातावरण को भी बढ़ावा मिलेगा। डीबीटी के जरिए सहायता सीधे अभिभावकों के बैंक खातों में पहुंचने से योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत हुई है। विभाग द्वारा योजना की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि पात्र विद्यार्थियों के अभिभावकों को समय से लाभ मिल सके और धनराशि का उपयोग विद्यार्थियों के हित में हो। ''कोट::'' "योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर बच्चे को समान अवसर और गरिमापूर्ण विद्यालयी अनुभव उपलब्ध कराना है। डीबीटी के माध्यम से सहायता सीधे अभिभावकों के खातों में पहुंचने से व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत हुई है। इससे बच्चों को शैक्षिक सत्र की शुरुआत से ही आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।"

बली प्रेक्षागृह में 'घर की मुर्गी' का मंचन हंसी हंसी में दिखाया संतोष में ही है सुख

लखनऊ। एक पुरानी कहावत को चरितार्थ करने वाला राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आज शाम बिम्ब सांस्कृतिक समिति द्वारा मंचित नाटक दर्शकों को हंसाते हुए सकारात्मक संदेश दे गया। रामकिशोर नाग का लिखा और सरिता कपूर के निर्देशन

में प्रस्तुत नाटक 'घर की मुर्गी' बता गया कि अगर नजरिया सही हो तो जो प्राप्त है और आपकी पहुंच में है उसे नकारना या उसकी अवज्ञा अनुचित है। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और प्रदेश के संसेंति विभाग के सहयोग से हुए संतोष में ही सुख ढूंढने को प्रेरित करने वाले इस नाटक की कहानी में व्यवसायी रामजी की पत्नी सरिता भारतीय परिवेश और संस्कारों के हिसाब से चलने वाली कुशल शिक्षित गृहणी हैं पर रामजी को पश्चिमी संसेंति भाती है। लिहाजा वे सरिता पर जब तब व्यंग्य बाण छोड़ा करते हैं। सरिता के क लेज के साथी पति–पत्नी किटी और प्रकाश को जब सारी जानकारी होती है तो वे तीनों रामजी को सबक सिखाने की योजना बनाते हैं। रामजी को अपने आफिस में एक सेक्रेटरी की जरूरत होती है। आधुनिक वेश–भूषा में इंटरव्यू के लिये आई मोना को देखकर उनके मन में लड्डू फूटने लगते हैं। रामजी उसे खुशी खुशी नौकरी पर रख लेते हैं। घर में सरिता का बनाया जैसा खाना रामजी को बदस्वाद लगता है, वैसा ही खाना मोना के हाथ से उन्हें चटखारे भरा लगने लगता है। मोना जब जब उनसे पत्नी के बारे में पूछती है तो वह अपने को माडर्न विचारों वाला और अपनी पत्नी को पिछड़ी गंवार बताकर मोना की सहानुभूति पाने और उसपर प्रभाव जमाना चाहते हैं। एक दिन सरिता रामजी से कहती है वो नई सेक्रेटरी जिसकी वो हर चीज की प्रशंसा करते हैं उसको देखने ऑफिस आ रही है। रामजी अपनी पोल खुलने के डर से मोना को आफिस से छुट्टी देकर भगा देते हैं। कुछ दिनों बाद सरिता मायके जाने की इच्छा जताती है। रामजी भीतर ही भीतर खूब खुश होते हैं, पर दिखाने के लिये बड़े अनमनेपन से इजाजत दे देते हैं। इधर सरिता के मायके जाते ही रामजी मोना को घर बुलाते हैं, लेकिन रामजी के होश फाख्ता हो जाते हैं जब पता चलता है कि मोना और कोई नहीं, उनकी पत्नी सरिता ही है। निर्देशक सरिता कपूर का यह नाट्य निर्देशन का पहला प्रयास था। पत्नी की भावनाओं की इज्जत करने और सम्मान देने की सीख देने वाले नाटक में दो कलाकारों से स्वभावतः बिल्कुल विपरीत दूसरे रंग का एक और चरित्र कराने में वह सफल रहीं। मंच पर रामजी के रूप में उज्ज्वल सिंह उतरे तो सरिता व मोना का चरित्र शालू तिवारी ने, प्रकाश व खेलावन की भूमिका आनन्द तिवारी ने निभायी। किटी का किरदार प्रियांशी मौर्या ने जिया। मंच के पीछे के कामों में प्रकाश व्यवस्था तमाल बोस, संगीत व्यवस्था ऋषभ पांडे के हाथों में रही। अन्य पक्षों में रंगमण्डल प्रमुख महर्षि कपूर के साथ ही प्रियांशी, शालू, उज्ज्वल, विकास सिंह और आनन्द तिवारी का सहयोग रहा।

मांगों को लेकर कोटेदारों ने ज्ञापन सौंपा

लखीमपुर–खीरी। उचित दर विक्रेताओं और अन्नपूर्णा संचालकों ने गोदाम पर जमा कराई गई खाली बोरियों का भुगतान न मिलने पर नाराजगी जताई है। इस संबंध में नगर लखीमपुर के उचित दर विक्रेताओं ने उप संभागीय विपणन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लंबित भुगतान शीघ्र कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि शासन के निर्देशानुसार उचित दर विक्रेताओं और अन्नपूर्णा संचालकों की ओर से खाली बोरियां संबंधित गोदाम पर जमा कराई गई थीं। विक्रेताओं का कहना है कि बोरियां जमा किए जाने के बावजूद अभी तक उनके भुगतान की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। इससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उचित दर विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि खाली बोरियों के भुगतान को लेकर कई बार जानकारी लेने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने उप संभागीय विपणन अधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर शासन के निर्देशानुसार बोरियों का भुगतान जल्द से जल्द कराने की मांग की है। विक्रेताओं ने चेतावनी दी कि यदि भुगतान में और देरी हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। ज्ञापन पर नगर क्षेत्र के कई उचित दर विक्रेताओं और अन्नपूर्णा संचालकों के हस्ताक्षर हैं।

स्कूलों की बदहाली पर मायावती ने जताया अफसोस, बोलीं- बुनियादी सुविधाओं के लिए बच्चों का सड़कों पर उतरना दुखद

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर 'जेन अल्फा' छात्र–छात्राओं के प्रदर्शन पर अफसोस जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, यह बेहद दुखद है। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि जेन–अल्फा यानी २०१३ के बाद जन्मे बच्चे और उनके माता–पिता सुखी भविष्य एवं अच्छी शिक्षा को लेकर चिंतित हैं और इसके लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर, विशेषकर उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में स्कूलों की बदहाल स्थिति की जमीनी हकीकत के कारण बच्चे 'अति–मुखर' हो गए हैं और कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के देशव्यापी 'स्कूल ठीक करो' अभियान में उत्साह से भाग ले रहे

हैं। उन्होंने कहा, ''यह दुखद है कि जिन बच्चों के हंसने–खेलने और पढ़ने–लिखने के दिन हैं, उन्हें प्रारंभिक शिक्षा की बुनियादी सुविधाओं के लिए भी सड़कों पर संघर्ष करना पड़ रहा है।'' बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकारों ने स्कूल व्यवस्था सुधारने के बजाय इसकी अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि हजारों सरकारी स्कूल बंद कर शिक्षा व्यवस्था को काफी हद तक निष्क्रिय बनाने का 'कुचक्र' चलाया जा रहा है। अब जेन–अल्फा बच्चे स्कूल भवन, शिक्षक, पेयजल, शौचालय और साफ–सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। मायावती ने उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों की सरकारों से जेन–अल्फा बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों और मांगों पर सहानुभूति के साथ तत्काल ध्यान देने तथा उनके खिलाफ बल प्रयोग से पूरी तरह बचने की अपील की। राजधानी लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले दिनों जेन–अल्फा छात्र–छात्राओं ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किए थे।

प्रयागराज में जलभराव पर केशव मौर्य ने जताई चिंता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में बारिश के दौरान जलभराव से नगरवासियों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताते

हुए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। श्री मौर्य ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रयागराज में बारिश के दौरान जलभराव के कारण नगरवासियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कारण चाहे जो भी हो, जनहित में इसका स्थायी समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समय रहते आवश्यक कदम उठा लिए गए होते तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसे संकट की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस उपाय सुनिश्चित करने को कहा। श्री मौर्य ने कहा कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिम्मेदार विभागों को समन्वय के साथ काम करना होगा, ताकि बारिश के दौरान लोगों को दोबारा ऐसी गंभीर कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने जनहित से जुड़े इस विषय पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

शुक्राचार्य बनकर चौंकाएंगे अक्षय खन्ना, २४ अगस्त को खुलेगा 'महाकाली' का राज

मुम्बई। 'हनु–मान' की जबरदस्त सफलता के बाद फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा अपने बहुप्रतीक्षित सिनेमाई यूनिवर्स के अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "२४ अगस्त द एंड बिगिन्स।" ऐसे में माना जा रहा है कि २४ अगस्त को 'महाकाली' से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में दिलचस्प अवतार सामने आएगा। यह झलक इस बहुप्रतीक्षित भारतीय पौराणिक सिनेमाई स्पेक्टेकल की पहली आधिकारिक झलक हो

सकती है। अपने चुने हुए किरदारों से लगातार दर्शकों को चौंकाने के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना इस बार अपने रूपांतरण को एक नए स्तर पर ले जाते नजर आएंगे। 'धुरंधर' में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में नहीं आ रहे हैं। शुक्राचार्य के रूप में उनका पहला लुक पहले ही चर्चा और उत्सुकता पैदा कर चुका है। ऐसे में २४ अगस्त को सामने आने वाली पहली झलक से दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ने की उम्मीद है। पुराणों में असुरों के गुरु के रूप में वर्णित शुक्राचार्य शक्ति, ज्ञान और जटिल व्यक्तित्व वाला महत्वपूर्ण पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना के अभिनय में इस किरदार की गंभीरता और प्रभावशाली व्यक्तित्व देखने को मिल सकता है। वहीं, प्रशांत वर्मा की भव्य दृश्य शैली इस पात्र को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप एक अलग स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगा रही है। 'हनु–मान' की सफलता के बाद दर्शक लगातार यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आने वाले हैं। फिल्म ने भारतीय पौराणिक कथाओं को आधुनिक सिनेमाई भाषा में प्रस्तुत करने के साथ–साथ दृश्यात्मकता और विश्व–निर्माण के स्तर पर भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। ऐसे में २४ अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ 'महाकाली' की दुनिया की पहली विस्तृत झलक मिलने की उम्मीद है। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की 'हनु–मान' के बाद अगली फिल्म है। आरके दुग्गल द्वारा प्रस्तुत और रिवाज रमेश दुग्गल के निर्माण में आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही इस फिल्म के रचनाकार प्रशांत वर्मा हैं, जबकि पूजा अपर्णा कोल्लुरु इसका निर्देशन कर रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ भूमि शेट्टी, रोहित सराफ और कई अन्य प्रमुख कलाकार नजर आएंगे। भव्य सिनेमाई स्तर पर तैयार की जा रही 'महाकाली' में भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित शक्तिशाली कथानक, शानदार दृश्य, विस्तृत विश्व–निर्माण और बड़े पैमाने की कहानी के जरिए दर्शकों को बड़े पर्दे का एक प्रभावशाली अनुभव देने का प्रयास किया गया है।

महानायक का छोटा–सा व्यवहार भी मेरे लिए बेहद खास थाः अंजना सुखानी

मुम्बई। अभिनेत्री अंजना सुखानी ने अमिताभ बच्चन के साथ काम करने से जुड़ी एक पुरानी और यादगार घटना साझा करते हुए कहा है कि महानायक का छोटा–सा व्यवहार भी उनके लिए बेहद खास था। एक साक्षात्कार में अंजना ने बताया कि उन्होंने अपने करियर के

शुरुआती दिनों में अमिताभ बच्चन के साथ एक चॉकलेट के विज्ञापन में काम किया था। विज्ञापन की शूटिंग मालाड स्थित इनअ र्बिट म ल की पार्किंग में हो रही थी और उस दिन काफी गर्मी थी। अंजना सेट पर धूप में खड़ी थीं, तभी अमिताभ बच्चन की नजर उन पर पड़ी। अंजना के अनुसार, अमिताभ बच्चन ने अपने सहायक के हाथ उनके लिए छाता भिजवाया और बाद में बैठने के लिए कुर्सी भी मंगवाई। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में नई होने के कारण उनके लिए यह छोटी–सी बात भी बहुत मायने रखती थी। अंजना ने कहा, "उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं थी। वह मिस्टर बच्चन हैं और मैं उनके सामने कुछ भी नहीं हूं। लेकिन जिस तरह उन्होंने मेरी चिंता की, वह उनकी महानता दिखाता है। मेरे हिसाब से सिर्फ उनके जैसा इंसान ही ऐसा कर सकता है।" अंजना ने बताया कि बाद में एक फ्लाइट में अमिताभ बच्चन से उनकी मुलाकात हुई। उन्होंने अंजना से पूछा कि क्या उन्होंने वह विज्ञापन देखा है, जो जल्द ही टेलीविजन पर आने वाला था। अमिताभ बच्चन ने विज्ञापन की तारीफ भी की। अंजना के लिए यह इसलिए भी खास था क्योंकि उन्हें लगा कि महानायक ने उन्हें पहचान लिया है। कई वर्ष बाद अंजना की मुलाकात अमिताभ बच्चन से फिल्म 'डिपार्टमेंट' के सेट पर हुई, जहां उन्होंने उन्हें संजय दत्त के साथ शादी के एक डांस सीक्वेंस में देखा। अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर आपने उनके साथ काम किया है या उनके आसपास भी काम करने का मौका मिला है, तो आपकी जिंदगी सफल है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक